मेरठ, गाजियाबाद, लखनऊ एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक

प्रभात प्रकाशन का 72 सालवां

स्थापित 1944

प्रभात

सीधी बात-सच्ची बात

ट्रम्प के ट्वीट पर लखनऊ के वैज्ञानिक की प्रतिक्रिया

अभिमत

- मौसम को जलवायु से नहीं जोड़ सकते, अंतर जानने के लिए बहस की जरूरत

लखनऊ। प्रभात

अभी कुछ दिन पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल ट्रम्प ने 22 नवम्बर 2018 ट्वीटर के माध्यम से यह कहा कि अमेरिका में वर्तमान में तापमान शून्य से दो डिग्रीसेंटीग्रेड कम चल रहा है और वैज्ञानिक कह रहे हैं कि यहा ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव है। ट्वीटर पर इसका उत्तर भारत की अस्था समराह ने दिया कि मौसम को जलवायु से नहीं जोड़ा जा सकता है। यदि आपको इसका अंतर जानना है तो मैं कक्षा 2 के किताब से बता सकती हूँ। आगे जानिए आज के ताकतवर देश के राष्ट्रपति जो दुनिया के प्रबुद्धवर्ग में कैसे भ्रम फैला रहे हैं और विश्व में वैश्विक तापमान बढाने के जिम्मेदार ये लोग कैसे इसे नकार रहे हैं।22 नवंबर 2018 को ग्लोबल वार्मिंग की विश्वव्यापी घटना का मज़ाक उड़ाते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, अपने ट्वीट के माध्यम से कहा कि वाशिंगटन में पारा 2 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है और यहां पर हो रही क्रूर और विस्तारित शीत लहर ने ग्लोबल वार्मिंग के दुनिया मे फैलाये जा रहे भ्रम को समाप्त करए सभी रिकॉर्ड तोड रही है। अस्था सरमाह के रूप में पहचानी जानी वाली गुवाहाटी (असम) की 18 वर्षीय लड़की ने डोनाल्ड ट्रम्प के ट्वीट पर अपने जवाब में टिप्पणी की कि, मैं आपसे 54 साल छोटी हूं। मैंने सिर्फ औसत अंक के साथ हाईस्कूल पूर्ण किया है लेकिन यहां तक कि मैं आपको बता सकती हूं कि मौसम को जलवायु नहीं कहते है। अगर आप इसको समझने में मेरी मदद चाहते हैंए तो मैं आपको अपने विश्वकोष की किताब को उधार में दे सकती हूंए जिसे मैंने दूसरे.श्रेणी में पढा था। जिसमें चित्र के माध्यम से सबकुछ दर्शाया गया है कि मौसम.जलवायु नहीं है। इसे 27,800 लोगों ने मात्र कुछ.घंटों में पढ़ा व पसंद किया (10:55 पीएम नवम्बर 22, 2018)। इस पर भारत में ही नहीं, अमेरिका में भी तमाम प्रक्रिया व्यक्त की गई जिसके कुछ अंश यहां प्रस्तुत हैं। ट्रम्प के इस दावे के एक साल पूर्व भी. एक ऐसा ही वक्तव्य एक ट्वीट से प्रसारित किया थाए जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका को उस समय पुरानी विचार

प्रो0 भरत राज सिंह
महानिदेशक, एसएमएस

धारावाली ग्लोबल वार्मिंग से थोड़ा सा फायदा होगा, जब अमेरिका का अधिकांश भाग बर्फ से घिर जायेगा। 72 वर्षीय ट्रम्प ने जलवायु परिवर्तन पर 2012 में हुई चर्चा के उपरांत वैज्ञानिको की सर्वसम्मति से बनी सहमति को पूर्णतः अस्वीकार करते हुएए यह वकतब्य दिया कि ग्लोबल वार्मिंग का सिद्धांत जो पेश किया गया था वह अमेरिकी निर्यात को नुकसान पहुंचाने के लिएए चीनियो की एक धोखाधड़ी थी।

वैज्ञानिक आमतौर पर ग्लोबल वार्मिंग शब्द को जलवायु परिवर्तन से जोडना अधिक पसंद करते हैं जबकि उनके विचार से मनुष्यों की संख्या की बढोत्तरी से उनके द्वारा उत्पन्न गर्मी व अधिक ग्रीनहाउस गैसों को उत्सर्जित करने के प्रभाव से चरम मौसम की घटनाओं के रूप में उत्पन्न हो रही है न कि वैश्विक तापमान (ग्लोबल वार्मिंग) की बढोत्तरी की अधिक संभावना से हैं। श्री ट्रम्प ने ग्लोबल वार्मिंग शब्द को जलवायु परिवर्तन से जोड़ने के इस भेद को कुछ लोगो द्वारा उनके डॉलर को गिराने की व्याकुलता बताते हुये एक सिरे से खारिज कर दिया है। यहा यह भी उल्लेख करना चाहूगा कि नासा का एक वेब.पृष्ठ है, जिसपर मौसम और जलवायु के बीच का अंतर को स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। मौसम और जलवायु के बीच का अंतर एक समयान्तर है। मौसम वह होता है जो वायुमंडल की परिवर्तित परिस्थितियां थोड़ी सी अवधि में होती है और जलवायु वह है जो कि अपेक्षाकृत लंबी अवधि के दौरान अपना प्रभाव उत्पन्न करता है।विशेषज्ञों ने श्री ट्रम्प के इस प्रकार के मूर्खतापूर्ण ट्वीट पर दिये गये बयान को तत्काल स्पष्ट किया था कि मौसम और जलवायु एक ही बात नहीं है। मौसम स्थानीय गर्मी से चलता है। ग्लोबल वार्मिंग गर्मी अंदर लेने के सापेक्ष गर्मी बाहर छोडने के अंतर से उत्पन्न होती है जो ऊपर से नीचे आती है। माइक नेल्सन जो एक मौसम विज्ञानी है, ने ट्विटर पर कहा था कि यह राजनीति नहीं है सिर्फ थर्मोडायनामिक्स है।

श्री ट्रम्प ने आगे लिखा- समाचार मीडिया से आप उनके नकली प्रचार से जीत नहीं सकते हैं। आज एक बड़ी कहानी यह है कि क्योंकि मैंने कडी मेहनत की है और पेट्रोल की कीमतें इतनी कम हो गई हैं जिससे अधिक से अधिक लोग गाड़ी चला रहे हैं और मैं अपने इस महान राष्ट्र भर में यातायात जाम पैदा करने के लिये जिम्मेदार ठहराया जा रहा हूं। मुझे सभी क्षमा करें! अमेरिकी मीडिया ने इस सप्ताह के अंत में थैंक्सगिविंग पर यात्रियों की संभावित रिकॉर्ड भीड़ पर व्यापक रूप से रिपोर्ट की हैए लेकिन भीड़ से ट्रैफिक जाम के लिए राष्ट्रपति को दोषी ठहराने के लिये मीडिया आउटलेट को कोई मामला नहीं मिला। फॉक्स न्यूज, ट्रम्प के पसंदीदा मीडिया आउटलेट द्वारा रिपोर्ट की गई कि वास्तव में, 2017 मे ईंधन की उच्च कीमत के कारण थैंक्स गिविंग पर उम्मीद से कम भीड़ थी।

अब आप उपरोक्त बहस से यह समझ सकते है कि विश्व के सबसे शक्तिशाली विकसित देश अमेरिका का राष्ट्रपति मौसम व जलवायु पर क्यो बहस का गलत प्रचार कर रहा है और भ्रम फैला रहा है ताकि उन पर कार्बन घटाने जैसे प्रयास पर अधिक दबाव न पड़े। जबकि भारत के प्रधान मंत्री नरेद्र मोदी ने पेरिस जलवायु समिति.2015 मे आवाहन कर 2 फीसदी कार्बन घटाने हेतु प्रस्ताव दिया और पूरे विश्व में भारतवर्ष की सरहना हुई। आज भारत बैकल्पिक अक्षयऊर्जा के उपयोग में 175 गीगावाट का 2022 तक उपयोग करने हेतु अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस सार्थक प्रायास से भारत द्वारा ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न हो रही श्जलवायु परिवर्तनश् की विभिषिका को कम करने में अमूल्य योगदान को आगे आने वाले इतिहास में याद किया जायेगा।